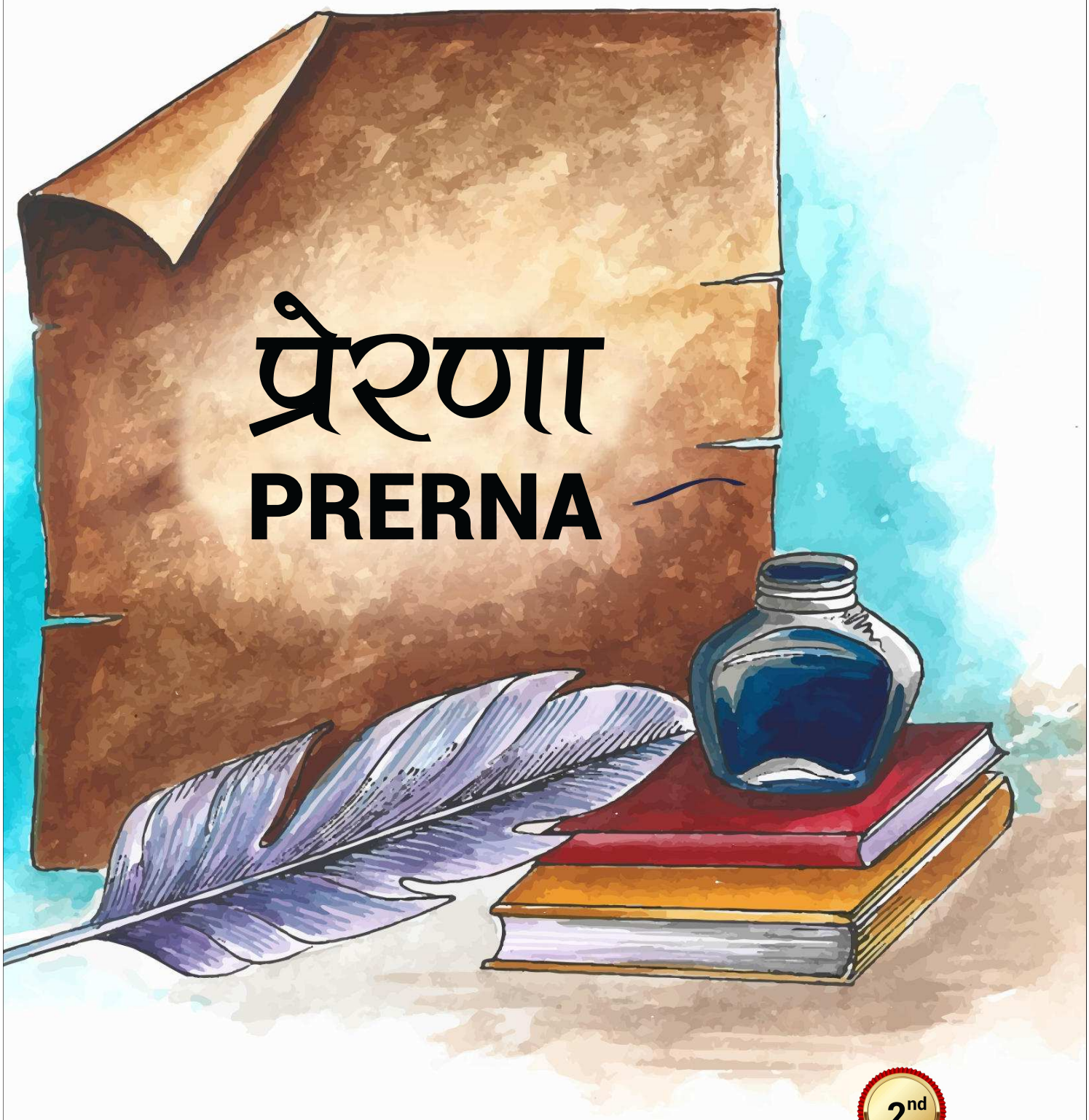

प्रेरणा
PRERNA

2nd

वार्षिक हिन्दी पत्रिका

Annual Hindi Magazine

EDITION | संस्करण

आज़ादी का अमृत महोत्सव

The Change Trust

Presents | प्रस्तुत करता है

Second Edition of Magazine

पत्रिका का द्वितीय संस्करण

PRERNA | प्रेरणा

Progressive **R**ecords for **E**valuation & **R**eview of A**N**ual trust **A**ctivities

http://thechange.org.in

सम्पादकीय

नमस्कार दोस्तो,

दा चेंज ट्रस्ट की वार्षिक पत्रिका प्रेरणा के द्वितीय संस्करण को प्रस्तुत करते हुए हमे बेहद खुशी की अनुभूति हो रही है। पिछले संस्करण का आप लोगो में सर्वप्रिय होना हमारे लिए एक अविस्मरणीय अनुभव था। आप लोगो की प्रतिक्रिया ने हमे इस संस्करण को और बेहतर बनाने के लिए प्रोत्साहन दिया और आज हम इसे आप लोगो के समक्ष प्रस्तुत कर पा रहे है।

वर्ष 2022-23 के विभिन्न कार्यक्रमों में बढ़ चढ़ कर अपनी अभिरुचि दिखाने और भाग लेने हेतु आप सभी का बहुत बहुत धन्यवाद और इस अंक में प्रकाशित लेखों के विजेताओं और प्रतिभागियों को हार्दिक बधाई एवम शुभकामनाएं।

इस अंक प्रकाशित लेख जैसे कवि की आकांक्षा, बारिश प्रकृति के मनोरम स्वरूप का विवरण करते हैं, बेटी पढ़ाओ – बेटी बचाओ सामाजिक ताने बाने की पुष्टि करते हैं, तो वही भारतवर्ष और विश्व की अंतरिक्ष की चुनौतियों को अंतरिक्ष संक्षिप्त परिचय में बखूबी जगह दी गई है।

आशा करता हूं की प्रेरणा का यह अंक भी आप सभी को पुनः पसंद आएगा और अपनी प्रतिक्रिया आप हमारी मेल help@thechange.org.in पद पर या फिर हमारी आधिकारिक वेबसाइट https://thechange.org.in पर जरूर प्रेषित करेंगे जिससे हम जरूरी सुधारो को आगामी कार्यक्रमों या संस्करणों में समायोजित कर सके।

ध्यान देने के लिए शुक्रिया...

धन्यवाद

रमाकांत वर्मा

मुख्य संपादक

सुधीर कुमार पटेल

संपादक मंडल

रमाकांत वर्मा, रामूकुमार वर्मा

प्रकाशित सभी विचार लेखको रचनाकारों के अपने हैं। यह आवश्यक नहीं हैं कि उनसे संपादक मंडल की सहमति हो।

CEO की कलम से

सर्वप्रथम , **The Change Trust** को वार्षिक पत्रिका प्रेरणा कें प्रथम अंक कें सफल प्रकाशन हेतु सम्पादक मण्डल तथा इसकें लेखकों एवं प्रकाशकों बहुत – बहुत शुभकामनाए।

पत्रिका एक ऐसा अनूठा माध्यम बन रहा है जिसकें साथ लोग सहर्ष जुड़कर अपनी भावनाओं कों न सिर्फ प्रकट कर पा रहे है अपितु ट्रस्ट कें कार्यो का भी अवलोकन कर रहें हैं।

आज प्रेरणा कें द्वितीय अंक कों प्रकाशित करते हुए हमें बेहद खुशी हो रही है क्योंकि यह सूचना तथा मनोरजन से भरपूर अंक है जिसमें प्रकाशित प्रमुख अंक जैसे वैज्ञानिक खोज और उसका प्रभाव जहाँ विज्ञान के महत्व कों बता रहें है वही ईमानदारी, होली पर 10 पंक्तियाँ, दहेजप्रथा, इंटरनेट और हम सामाजिक समरसता कों ज्ञापित कर रहें है।

अन्त में यहा कहना चाहूँगा कि प्रेरणा आपकी प्रत्रिका है इसकें पूर्ववर्ती का निवर्तमान संस्करण में अगर कोई सुधार या सुझाव आप देना चाहतें है तो आप हमें **help@thechange.org.in** या हमारी **official website thechange.org.in** के **feeddback Section** में अवश्य प्रदान करें।

इन्ही विचारों के साथ प्रेरणा कें द्वितीय अंक कों आप सभी को समर्पित करता हूँ ।

.....

CFO की कलम से

The Change Trust की वार्षिक पत्रिका प्रेरणा कें द्वितीय संस्करण को प्रकाशित करते हुए बहुत प्रसन्नता हो रही है क्योंकि यह हमारे विचारो को व्यक्त करने, कार्यो को सामाहित करने और मनोरंजन का साधन बन रही है।

पत्रिका के प्रथम अंक को सफल बनाने मे सभी सहयोग करने वाले साथियों,सम्पादक मंडल, लेखक एवं प्रकाशकों को शुभकामनाए देते हुए आभार प्रकट करता हूं और पत्रिका के प्रथम अंक का हिस्सा बनने के लिए बहुत धन्यवाद देता हूं।

इस प्रेरणा पत्रिका के द्वितीय अंक को सफल बनाने के लिए आपसभी का सहयोग प्रशंसा के काबिल है और आशा करता हूँ कि आप सभी द्वितीय अंक के लिए अपनी प्रतिकिया हमारे वेबसाइट **http://thechange.org.in** पर भेजेगें ।

आप सभी की प्रतिक्रियाओं को शामिल करते हुए अगले अंक भी और बेहतर और आकर्षक बनाया जा सकें।

इन्ही सब विचारों के साथ **The Change Trust** की वार्षिक पत्रिका प्रेरणा का द्वितीय अंक आप सभी को समर्पित करता हूं।

सुधीर कुमार पटेल

आगामी अंको में

Page No.

नारी शाक्ति 07

कवि और उसकी कल्पना.....08

दहेज प्रथा.....09

ईमानदारी–आत्मीय गुण.....10

समय–समय का खेल.....11

होली पर 10 लाइन का निबंध.....13

सावन का चित्रण.....14

इंटरनेट और हम.....15

होली–अनूठा त्यौहार 18

हेलमेट अभेद्य कवच.....18

आत्मकथाः मेरे जीवन का लक्ष्य.....19

वैज्ञानिक खोज और उसका प्रभाव.....20

चुटकुले.....20

बेटी पढ़ाओं, बेटी बचाओं.....21

प्रेरणादायी कविता.....22

विश्वास और मंजिल.....23

संघर्ष औरत का.....23

मेहनत का महत्व.....24

भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन.....25

जिंदगी एक लम्हा था, हमारा भी एक सपना था.....26

अंतरिक्ष संक्षिप्त परिचय.....27

कविता

छुट्टी तो आनी है,
पर कोई आराम नहीं आता।

क्यूँ औरत के हिस्से में,
उसका इतवार नहीं आता।

देखो-देखो सुबह हो गई,
सरपट-सरपट भाग रही।

सब तेरा ही तो है पगली,
ये सोच - सोच के नाच रही।

फिर भी कोई चूक हुई तो
सुनती काम नहीं आता

क्यूँ औरत के हिस्से में,
उसका इतवार नहीं आता।

एक अकेली नार यहाँ पर,
जाने क्या-क्या काम करे।

उसका कुछ भुगतान करो तो,
शायद तुमको पता चले।

घर की स्त्री को साहब, कोई व्यापार नहीं आता
क्यूँ औरत के हिस्से में, उसका इतवार नहीं आता

सोती है वो आखिर में,
और सबसे पहले जागती है।

अंजू कुमारी

कवि और उसकी कल्पना

सुनो कवि! तुम लिखो निरंतर सृष्टि का श्रृंगाार,
दीनों के मन की हर पीड़ा, ईश्वर का उपहार।

कभी दिखे अन्याय कहीं, लिखना विरोध की वाणी,
ऐसी कविता लिखो जिससे हो, सुखी जगत का प्राणी।

किन्तु मत लिखना कवि! चाटुकारों की भाषा,
ऐसे पद मत लिखना जिससे, आये जग में निराशा।

भले विद्रोह हो जाना, मत होना तुम दरबारी
इस उपवन को जो झुलासा दे, मत लिखना वो चिंगारी,

सत्ता के उत्कोचों का उपकार लिखाने लग जाये
तज देना वह कलम कवि! जो मनुहार लिखाने लग जाये।

सहज नहीं होगा कवि! इस धर्म मार्ग पर चलना,
काँटों का ताज लिए सर पर, और अंगारों को दलना।

यह सियासत बड़ी चतुर है, पहले तुम्हें मनाएगी,
न मानें तो स्वर्ण तमगों के लालच तुम्हें दिलाएगी।

अपने कलम की आभा स्वर्णो से मलीन मत करना,
काली स्याही की सख्त कालिख से आततायी से लड़ना।

फिर वो तुम्हारे मग में काँटे हज़ार बो देगी,
श्वेत तुम्हारे वस्त्रों को रक्त से भिगो देगी।

करने लगेगी वो तुम्हारे आबरू पर आक्षेप,
किन्तु सत्य पर अड़े रहना, रहना होगा निरपेक्ष।

इस धर्म यज्ञ की अग्नि में आहुति देनी होगी,
एक बार नहीं, बार-बार यह पुनरावृत्ति होगी।

और अंततः माँग ही लेंगे तुमसे तुम्हारी कुर्बानी,
और तुम्हें निर्मोही होकर यह कुर्बानी देनी होगी।

सौंप देना सर्वस्व कवि! कुर्बानी करना स्वीकार,
किन्तु तज देना कलम कवि! जब लिखना पड़े मनुहार।

मोहित यादव

दहेज प्रथा

बिटिया भार भई धरती पर, जरै बाप महतारी,
एक पैसा दहेज कम पावे, फूक डारी मारी,
कहिके रोवे दइया माइया केउ-सुन वइया नाय बा।

पूत जब तक दहेज पे सवार रहि है
बिटिया बाबू जी के सिरवा के भार रहि हैं !

हाय-रे विधाता तोहरी मारि गइली मतिया,
माई के गोदिया मे दिहला बिटियवा-

जब तक समझ न होइ है, अत्याचार रहि है !
बिटिया बाबूजी के सिरवा के भार रहि है !

पूत कपूत भले होई जइ है, माता-कुमाता-नाही होई पइहै-
बिटिया बाबू जी सिरवा के भार रहि है।

पूत जब तक दहेज पे सवार रहि है
बिटिया बाबू जी के सिरवा के भार रही है !

रेनू वर्मा

ईमानदारी - आत्मीय गुण

विक्की अपने स्कूल मे होने वाले स्वतंत्रता दिवस समारोह को ले कर बहुत उत्साहित था। वह भी परेड मे हिस्सा ले रहा था। दूसरे दिन वह एकदम सुबह जग गया लेकिन घर में अजीब सी शांति थी। वह दादी के कमरे मे गया, लेकिन वह दिखाई नही पड़ी।

'' माँ दादी जी कहाँ है ? '' उसने पूछा रात को वह बहुत बीमार हो गई थी। तुम्हारे पिताजी उन्हे अस्पताल ले गये थे, वह अभी वहीं हैं उनकी हालत काफी खराब हैं।

विक्की एकाएक उदास हो गया उसकी माँ ने पूछा '' क्या तुम मेरे साथ दादी जी को देखने चलोगे ? चार बजे मै अस्पताल जा रही हूँ'' विक्की अपनी दादी को बहुत प्यार करता था। उसने कहा '' हाँ मै आप के साथ चलूँगा।

स्कूल मे स्वतंत्रता दिवस समारोह बहुत अच्छी तरह संपन्न हो गया। लेकिन प्राचार्य खुश नहीं थे। उन्होने ध्यान दिया बहुत से छात्र आज अनुपस्थित हैं।

आधे घंटे के अन्दर सभी कक्षाओं के विद्यार्थियों की सूची उन की मेज पर थी। कक्षा छः की सूची बहुत लम्बी थी। अतः वह पहले उसी तरफ मुड़े। जैसे ही उन्होने कक्षा छः में कदम रखे वहाँ चुप्पी सी छा गई। उन्होने कठोरतापूर्वक कहा ''मैने परसों क्या कहा था

''यही कि हम सब स्वतंत्रता दिवस समारोह में उपस्थित होना चाहिए गोलमटोल उषा ने जवाब दिया। तब बहुत सारे बच्चे अनुपस्थित क्यों थे ?'' उन्होने नामों की सूची हवा में हिलाते हुये पूछा। फिर उन्होने अनुपस्थित हुये विद्यार्थियों के नाम पुकारे उन्हें डाँटा और अपने डंडे से उनकी हथेलियों पर मार लगाई। ''अगर तुम लोग राष्ट्रीय समारोह के प्रति इतने लापरवाह हो सकते हो तो इसका मतलब यही है कि तुम लोगों को अपनी मातृभूमि से प्यार नहीं है। अगली बार ऐसा हुआ तो मै तुम सबके नाम स्कूल के रजिस्टर से काट दूँगा।'' इतना कह कर वह जाने के लिए मुड़े तभी विक्की आ कर उन के सामने खड़ा हो गया।

''क्या बात ?''

'' महोदय विक्की भयभीत पर दृढ़ था। मैं भी स्वतंत्रता दिवस के समारोह में अनुपस्थित था पर आप ने मेरा नाम नही पुकारा'' कहते हुये विक्की ने अपनी हथेलियाँ प्राचार्य महोदय के सामने फैला दी। सारी कक्षा साँस रोक कर उसे देख रही थी।

प्राचार्य कई क्षणों तक उसे देखते रहे। उनका कठोर चेहरा नर्म हो गया और उन के स्वर मे क्रोध गायब हो गया। '' तुम सजा के हकदार नही हो क्योंकि तुम में सच्चाई कहने की हिम्मत है। मैं तुम से कारण नही पुछूँगा, लेकिन तुम्हे वचन देना होगा कि अगली बार राष्ट्रीय समारोह को नही भूलोगे। अब तुम अपनी सीट पर जाओ।

विक्की ने जो कुछ किया इसकी उसे बहुत खुशी थी।

नरेंद्र

समय समय का खेल

कई साल पहले एक लड़की का जन्म हुआ। जिसका नाम एला था। अपने माँ बाप के लिए एला किसी राजकुमारी से कम नहीं थी। एला के पिता व्यापारी थे वे देश मे व्यापार करते और अपनी राजकुमारी के लिए प्यारे तौफे लाती। इनकी जिन्दगी खुशियों से भरी हुई थी सब एक-दूसरे से बहुत प्यार करते थे और एक दूसरे का ख्याल रखते थे। एक दिन एला की माँ बहुत बीमार हो गई उन्होने एला को बुलाया और कहा आओ बेटा तुम्हे मै एक जरूरी बात बताती हूँ। जिससे तुम आने वाली हर मुश्किल का सामना कर सकती हो।

इस बात को हमेशा याद रखना एला मेरी बेटी तुम **'' खुद मे हौसला और रहम दिल रहना''**।

एला की माँ गुजर जाती है उसके पिता ने उसे पाल पोष कर बड़ा किया एला के पिता ने दूसरी औरत से शादी करने की बात कही 'एला ने कहा आपकी खुशियों से बढ़कर कुछ नही है डैड'।

उसके पिता ने दूसरी औरत से शादी कर ली उनकी दो बेटियाँ भी थी उनकी दोनो बेटियाँ बहुत लालची और शरारती थी। वो और उनकी बेटियाँ एला के सौन्दर्य और दयालु दिल से बहुत ईर्ष्या करती थी।

एला के पिता को किसी काम से बाहर जाना पड़ा उन्होने एला को बताया तुम्हारी बहनो ने अपने लिए अच्छी ड्रेस और जूते मंगवाये है। तुम्हे क्या चाहिए एला ने कहा '' मुझे वे टहनी चाहिए जो सबसे पहले आपके कंधे को छुए'' उस टहनी को आप अपने पास आपकी बेटी आपका घर पर इंतजार कर रही है। और मै यही चाहती हूँ आप घर वापस आ जाये और हमे कुछ नहीं चाहिए।

उसके पिता के भेजे हुए खत पर चंद हफ्ते, महीने बीत चुके थे, पर वह हर दिन खत के सहारे उसके साथ थे पर एक दिन एला के पिता के साथी ने खबर सुनाई कि आपके पिता सफर मे बीमार हो गये और उन्होने दम तोड़ दिया आखरी

साँस तक बह आपकी माँ और आपका नाम ले रहे थे। सौतेली माँ और बहनो ने एला को परेशान करने लगे उसकी सौतेली माँ और बेटी उसे ठीक से भोजन भी नही करने देती थी और अपना बचा हुआ जूठा खाना एला को देते थे। एला के दोस्त दो चूहें और खिड़की पर आने वाली गौरैया थी खाना कम रहने के बावजूद वह दोनो चुहो और गौरैया को खाना खिलाती थी एला की सौतेली माँ और बहने पिता के गम दूर करने के बहाने उससे घर का सारा काम करवाती वक्त के साथ वह एला को ज्यादा नौकरानी समझने लगी पहनने के लिए फटे-पुराने गंदे कपड़े देती थी और सब मिलकर उसका मजाक उड़ाने लगी और उसे एक पल के लिए लगा कि उसका रहम दिल और हौसला राख मे मिला दिया हो। वह घोड़ा लेकर जंगल के तरफ निकल पड़ी रास्ते मे उसने सैनिको

और राजकुमार को शिकार करते हुए देखा एला की मुलाकात एक राजकुमार से हुई एला ने राजकुमार से पूछा आप कौन है। आप कृपा करके इन जानवरों को छोड़ दीजिए राजकुमार ने अपने बारे बताया कि मै शही दरबार का नौकर हूँ वहाँ उन दोनो की दोस्ती हो जाती है एला उपने घर लौट आयी राजकुमार को एला से प्रेम हो जाता है

राजकुमार ने घोषणा करवा दिया कि राजकुमार ने जलशे का आयोजन किया है ताकि राजकुमार अपने लिए पत्नी चुन सके राजा ने सभी लड़कियों को इसमे शामिल होने के लिए आमांत्रित किया है। इस समाचार को सुनकर राज्य की सभी लड़कियों खुश हुई एला को पता था कि उसकी माँ उसे किसी भी तरह से जाने नहीं देगी उसकी सौतेली माँ ने अपने और दोनो बेटियों के लिए खूब अच्छा ड्रेस बनवाई और एला को घर के बहुत सारे काम दे दिया। एला अपनी माँ के पुराने ड्रेस को अच्छे से बुनकर अपने लिए ड्रेस तैयार की थी। एला की सौतेली माँ एला के पहने हुए ड्रेस को फाड़ देती है। और जाने से मना कर देती है। वह उदास हो गई और बैठकर रोने लगी। तभी अचानक एक परी दिखई दी जो कि वह **God Fairy** थी।

God Fairy ने एला की मद्द की उसने अपने जादू से कद्दू को बगघी मे, दो चूहे को घोड़े मे तथा उसकों सुंदर वस्त्रों से सुसज्जित कर दिया।

फिर भी मां के दबाव के कारण वह ही जा सकी और घर पर रह कर भाग्य का स्मरण करने लगी।

वह रोने लगती है उनकी दोनो बहनो ने सैंडल को जबरदस्ती पहनने की कोशिश की पर मोटी होने के कारण सैंडल पहन नही पाई राजकुमार ने पूछा क्या घर मे और कोई है सौतेली माँ ने साफ मना कर दिया तभी घर मे से गाने की आवाज सुनाई पड़ती है राजकुमार ने सैनिक से कहा देखो गाना अच्छा गा कौन रहा है हम उससे मिलना चाहते है सैनिक घर मे जाकर एला को देखते है उसकी सौतेली माँ उसे राजकुमार के सामने जाने नही देती है सैनिक ने कहा तुम कौन हो उसे रोकने वाली वह बोलती है माँ हूँ मै इसकी। एला ने कहा न तुम पहले मेरी माँ थी और न ही अब मेरी माँ हो वह सैनिक के साथ बाहर आ जाती है राजकुमार एला को देखते ही पहचान जाते है और बोले तुम वही हो न जो उस रात मेरे साथ नृत्य की थी। राजकुमार खुद अपने हाथो से एला के पैर मे काँच का सैंडल पहनाते है । एला ने अपनी माँ और बहनो की सारी बात बताई राजकुमार उन लोगो को काफी डाट लगाई और भविष्य में एसा किसी साथ न करने की हिदायत भी दीं।

निवेदिता कुमारी

होली पर 10 लाइन का निबन्ध

होली भारत का एक लोकप्रिय त्योहार है

इसे रंगो का त्योहार भी कहा जाता है

यह त्योहार हर साल फाल्गुन महीने मे आता है

होली का त्योहार दो दिन तक चलता है

होली के पहले दिल होलिका दहन किया जाता है

इस दिन में घर-घर मे ढ़ेर सारे पकवान बनते है

होली के दूसरे दिन को धुलेंडी कहा जाता है

इस दिल लोग एक-दूसरे को रंग लगाते है

हम लोग गुब्बारे और पिचकारिंयो से रंग उड़ाते है

होली का त्योहार हमे प्यार और एकता का संदेश देता है।

पवन वर्मा

सावन का चित्रण

रिमझिम-2 बारिस,
मनको कितना भाये।
नयी प्यार की नई तरंगे
जब वो लेकर आए।
उम्मीदों की झड़ी लगाये
सावन फिर से आया।
गीत गवाकर खुशी मनाए
प्यार कितना लाया।
हरे भरे है, खेत ये सारे
मन को कितना भाए।
बारिश की बूँदो से वे
धमाचौकड़ी खूब मचाए।
हरे रंग की हरी दुशाला
देखो पहन के बैठी है।
प्यार छुपायें दामन में वो
लगती कितना सुन्दर है।
रंग विरंगी फूल खिलाये
जब यह सावन आए।
नयी प्यार की नई तरंगे,
मन को कितना भाये।

रमापत मौर्या

इण्टरनेट और हम

इण्टरनेट आज हमारी मूलभूत आवश्यकताओं मे से एक महत्वपूर्ण आवश्यकता बनकर उभरी है। आज के दौर मे इण्टरनेट हमारे दैनिक जीवन से लेकर रात का सोने तक हमारा दैनिक कार्य आजकल सोशल मीडिया – इण्टरनेट के माध्यम से प्रभावित हो रहा है। वर्तमान युग के इस दौर में हम सोशल मीडिया के माध्यम से पूरे विश्व से जुड़े हुए है। आज हम अपनी मूलभूत समस्याओं, राष्ट्रीय और अन्तर्राष्ट्रीय समस्याओं पर अपनी राय मुखर रूप से अभिव्यक्ति को आजादी के जरीये पूरे विश्व में पहुँचाते हैं और उनके सूचनायें प्राप्त करते हैं। यें सूचनायें हमारे जीवन शैली को ठोस रूप से प्रभावित करती है। जिससे हमारा जीवन स्तर उच्च होता जा रहा है।

वर्तमान आधुनिक युग में इण्टरनेट ने वैश्विक मार्थिक संवृदि, सामाजिक सांस्कृतिक स्तर और विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी को तीवृ गति से बढ़ा दिया है। आज हम घर बैठे स्मार्ट फोन या कम्प्यूटर का प्रयोग कर इण्टरनेट के माध्यम से सम्पूर्ण विश्व से जुड़ गए हैं और अपने ज्ञान-विज्ञान, तकनीकी, प्रौद्योगिकी आदि को एक दूसरे देशों से आदान-प्रदान कर रहे हैं। असके माध्यम से हम अपनी सांस्कृतिक विरासत 'वसुधैव कुटुम्बकम्' के लक्ष्य के प्राप्ति की ओर अग्रसर हो रहे हैं। हम अपनी साझी विरासत को पूरे विश्व के सामने प्रमुखता से रख रहे हैं।

इसके प्रयोग ने आज हमारे जीवन स्तर को एक नई ऊँचाई प्रदान की है, इसके विपरित इसके गलत प्रयोग ने विश्व को एक नई चुनौती प्रदान की है, जिससे निपटने के लिए सोशल मीडिया-इण्टरनेट का विनियमन करने के लिए राष्ट्रीय-अनतर्राष्ट्रीय स्तर पर मांग उठने लगी है। जो आज के आधुनिक दौर की दौड़ी-भागती जीवन शैली आदि को परिसीमन करने के लिए आवश्यक हो गयी है।

इण्टरनेट के प्रयोग से जहाँ सूचना तकनीकी विज्ञान प्रौद्योगिकी, कृषि प्रौद्योगिकी, शिक्षा तकनीकी आदि का तीव्र और सुलभ विकास हुआ। आज हम इण्टरनेट के माध्यम से देश, विदेश की तात्कालिक घटित हो रही घटनाओं, सामाजिक – सांस्कृतिक संरचना मे हो रहे परिवर्तन आदि की जानकारी घर बैठे स्मार्टफोन या कम्प्यूटर के माध्यम से प्राप्त कर लेते है, ये सूचनायें हमारे मानसिक स्तर को विशिष्टता प्रदान करती हैं। आज हम अनेक सोशल मीडिया माध्यमों जैसे- फेसबुक, व्हाट्सएप, टवीटर आदि से जुड़े हुए हैं, जो सूचनाओं के आदान-प्रदान का एक सुलभ संसाधन हैं।इसके माध्यम से हम देश-विदेश की अनेक जानकारी साझा करते हैं, जो वैश्विककरण के इस दौर में अपना एक महत्वपूर्ण योगदान देती है।

वैश्विक महामारी,कोरोना के समय अब पूरी व्यवस्थाऐ ठप हो गई थी, तब इण्टरनेट ने अपनी महत्वपूर्ण भूमिका अदा की। इसके माध्यम से वर्क फॉर्म होम के जरीये अनेक ढ़ाँचागत कार्य बैठे किये जाने लगे। इसने शिक्षा क्रांति को इस महामारी के दौर मे एक नई दिशा एवं दशा प्रदान की। इसके माध्यम से विद्यार्थी घर बैठे शिक्षा प्राप्त करने लगे। जिससे वैश्विक महामारी मे बंद पड़ी शिक्षा प्राप्त करने लगे। जिससे वैश्विक महामारी मे बंद पड़ी शिक्षा व्यवस्था को गति मिली। असी के प्रयोग से आज हमें गणवतत्तापूर्ण शिक्षा यू-ट्यूब के माध्यम से घर बैठे मिल जा रही है। इसके माध्यम से हम निम्न स्तर से लेकर उच्च स्तर की तकनीकी शिक्षा को घर बैठे प्राप्त कर सकते हैं।

आज हम अपनी अभिव्यक्ति को ट्वीटर, फेसबुक, यू-ट्यूब आदि सोशल मीडिया माध्यमों से सरकार तथा देश-विदेश तक पहुँचाते हैं। आज हम किसी नियम या कानून, सरकार आदि का विरोध एवं समर्थन इन्हीं माध्यमोंके जरीये दर्ज करते है।

इण्टरनेट ने जहाँ विश्व को जोड़ने का कार्य किया, वहीं इसके गलत प्रयोग ने विश्व मे अनेक समस्याओं को जन्म दिया। इन समस्याओं से आज विश्व के बढ़े तथा छोटे देश लड़ रहे है। इण्टरनेट के प्रयोग से युद्ध छेड़े जा रहे है, जो एक विश्व युद्ध की समस्या उत्पन्न कर रहे हैं।

तेजी से बदल रहा वर्तमान विश्व जो चतुर्थ औद्योगिक कांति का युग है। यें वास्तविक से ज्यादा आभासी दुनिया अर्थातृ तकनीकी की महत्ता आधिक होती है। ऐसे मे युद्ध का स्वरूप सिर्फ भौतिक न होकर आभासी भी होगा। यह युग सूचना तकनीकी युद्ध का युग है, इसमें किसी भी देश के सैन्यबल को नुकसान पहुँचाने से पहले उस देश की सुरक्षा व्यवस्था में लगी तकनीकी को नुकसान पहुँचाने से पहले उस देश की सुरक्षा व्यवस्था मे लगी तकनीकी को नुकसान पहुँचाने के लिए उसके संसाधनों, खासकर उसकी तकनीकी- दक्षता युक्त संसाधन को क्षति पहुँचायी जाती है।

वैश्विककरण के इस दौर मे व्यापार, अन्तर्राष्ट्रीय सम्बन्ध, सामाजिक एकजुटता व व्यवसाय आदि के लिए सूचनाओं का मुक्त प्रवाह अत्यन्त आवश्यक है। आज हम जुड़े हुए विश्व में निवास करते हैं, जिसमें अराजकता या अस्थिरता पैदा करना कोई कठिन कार्य नहीं रह गया है, जो इण्टरनेट के द्वारा हमारे वैश्विक समाज में एक जटिल समस्या बनकर उभरी हैं।

वर्तमान सूचना कांति के इस युग में इण्टरनेट के माध्यम से प्रत्येक सेकेण्ड में सैकड़ो गीगाबाइट आंकड़ो का स्थानान्तरण एक स्थान से दूसरे स्थान पर किया जा रहा है। ये आंकड़े अत्यन्त महत्वपूर्ण भी होते हैं। इनमे इण्टरनेट के माध्यम से अवरोध उत्पन्न करना, जिनमें सूचनाओं की प्रोसेसिंग, सूचनाओं के स्थानान्तरण, सूचनाओं को बदलना, तथ उत्पन्न करना, क्षति पहुँचाना, देरी करना अथवा नष्ट कर देना डिजिटल वार का स्वरूप है। साइबर युद्ध, सूचना युद्ध, हैकिंग तथा ऐसे ही अन्य साइबर हमले डिजिटल वार के मूल रूप होते हैं।

इण्टरनेट के माध्यम से हम आधुनिक ज्ञान, विज्ञान की नई-नई तकनीकी से बहुत जल्द अवगत होते हैं और इसके प्रयोग की दिशा मे अग्रसर होते हैं। इसके माध्यम हमें राष्ट्रीय - अन्तर्राष्ट्रीय घटनाक्रम की जानकारी, मनोरंजन, आपदा, प्रबंधन की जानकारी, आधुनिक कृषि तकनीकी आदि के उपयोग की जानकारी हम घर बैठे कही भी प्राप्त कर सकते है। जिससे हमारी जीवनशैली उच्च स्तर की और सुलभ हो जाती हैं।

आज जहाँ सोशल मीडिया - इण्टरनेट जीवन स्तर को एक नई ऊँचाई प्रदान की है, वही इससे अनेक प्रकार की समस्यायें उत्पन्न हुई हैं, जिसके दुष्परिणाम अब तेजी से दिखाई देने लगे हैं।

इण्टनेट के माध्यम से साइबर आतंकवाद को बल मिला। साइबर आतंकवाद का अर्थ-आतंकवादी समूह के लोगों द्वारा सूचना तकनीकी का गलत तरीके से इस्तेमाल तथा उसका प्रयोग अपनी स्वार्थ सिद्धि के रूप में किया जाता है। सूचना तकनीकी के इस्तेमाल द्वारा किसी अन्य देश को किसी भी प्रकार का नुकसान पहुँचाने अथवा उसके विकास मार्ग में व्यवधान

उत्पन्न करने की कोशिश को साइबर युद्ध कहा जाता है। सूचना तकनीकी का इस्तेमाल करने वाले किसी उपयोगकर्ता के कम्प्यूटर में बिला उसकी अनुमति से उपस्थित गोपनीय सूचनाओं की चोरी को साइबर जासूसी कहते हैं। विभिन्न इण्टरनेट आधारित उपकरणों जैसे, कम्प्यूटर में उपस्थित सॉफ्टवेयर और हार्डवेयर को नुकसान पहुँचाने से सम्बन्धित अनियमितता को साइबर हमला कहते हैं। इण्टरनेट के माध्यम से डिजिटल वार के स्वरूप निम्न हैं।

साइबर फ्रॉड, फार्मिंग, फिशिंग, मालवेयर, स्पैमिंग, स्पूकिंग, स्पाइवेयर, ट्रोजन, वायरस, वैद्विक सम्पदा चोरी आदि प्रमुख हैं।

सोसल मीडिया से आज हमारा जीवन प्रत्यक्ष रूप से प्रभावित है, आज हम फेसबुक, व्हाट्सएप, ट्वीटर आदि माध्यमों से अपनी कुछ गोपनीय जानकारियों को भी साझा करते है। हमारे द्वारा इन माध्यमों को दी गयी जानकारियाँ आज किन्ही साइबर अपराधियों के द्वारा चोरी कर ली जाती हैं और उन्हें गलत तरीके से सोशल मीडिया पर प्रसारित कर हमारी छवि को धुमिल किया जा रहा है, जिससे हमारी निजता प्रभावित हो रही है। इसको रोकने के लिए सरकार द्वारा विनियमन करने की आवश्यकता है।

वर्तमान विश्व में निजता विभिन्न मंचों पर कई तरीकों से बहस का विषय बनी हुई है। अमेरिकी ब्हिसलब्लोअर एडवर्ड स्वोडेन का कथन है कि– ''यह कहना कि आप निजता के बारे में परवाह नहीं करते हैं, क्योंकि आपके पास छिपाने के लिए कुछ नहीं है, यह कहने जैसा है कि आप अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के बारे में परवाह नहीं करते हैं, क्योंकि आपके पास बोलने के लिए कुछ नहीं है।''

इण्टरनेट के प्रयोग से आर्थिक संकृति और सामाजिक विकास को अकल्पनीय गति मिली है, लेकिन इसके द्वारा घृणायुक्त भाषणों, फेक न्यूज, राष्ट्रविरोधी गतिविधियों और गैर कानूनी गति–विधियों को भी समानान्तर रूप से बढ़ावा दिया। कभी–भी गलत जानकारी की परिणति अफवाहों के आधार पर किसी की हत्या कर दी जाती है। दूसरी ओर राष्ट्र विरोधी तत्वो द्वारा सोशल मीडिया के माध्यम से किसी असामाजिक गतिविधि को आसानी से अंजाम दिया जा सकता हैं।

अतः निष्कर्षतः हम यह कह सकते हैं कि इण्टरनेट का उचित प्रयोग देश और समाज के विकास को गति देता है लेकिन इसका गलत प्रयोग देश और समाज मे अलगाव ला देता है। अतः इसके समुचित प्रयोग पर बल देने के साथ इसे विनियमित किया जाए।

उपर्युक्त रचना मेरी अपनी रचना है जो अभी तक कही प्रकाशित नहीं हुई है, इस रचना को प्रकाशित करने तथा जरूरी कार्यो हेतु मैं The Change Trust को अधिकृत करता हूँ।

शिवम पटेल

होली-अनूठा त्यौहार

सोनू मौर्या

त्यौहार है रंगों का होली,
बदरंग नहीं होने पाये।
जमी ईर्ष्या तन, मन की,
हर रंगों से धुल जाये।।

सच में है त्यौहार अनोखा,
एक साथ सब रंग जाते।
भेदभाव को दूर हटाकर,
एक साथ सब मिल जाते।।

होली का त्यौहार अनोखा,
जब जब आया करता है।
दसों दिशाएं सराबोर हो,
खुशी मनाया करतीं हैं।।

हेलमेट अभेद्य कवच

सिर का कवच लगाना हेलमेट,
दुर्घटना में रक्षक हेलमेट।
नियमों का सम्मान है हेलमेट,
अपने प्रति न्याय है हेलमेट।।

दुर्घटना में कई जिन्दगी,
अब तक बचाया है हेलमेट।
जो नहीं लगाया करते हेलमेट,
दुर्घटना में जाता मरघट

यातायात के नियमों का,
जो भी पालन करते हैं।
वहीं सुरक्षित अपने घर,
वापस आया करते हैं।

जीवन है अनमोल,
संभलकर चलना होगा
स्वयं सुरक्षित दूजे को भी,
हमें सुरक्षित रखना होगा।

कानूनों की मर्यादा,
जो देश बना कर रखते हैं।
विकसित हों समृद्धि का
फिर उपभोग वो करते है

मेरे जीवन का लक्ष्य

हर कोई बचपन से कुछ ना कुछ बनना चाहता है। कोई इंजीनियर बनना चाहता है और कोई वकील कोई टीचर बनना चाहता है तो कोई गायक बनना चाहता है कुछ न कुछ बनने को इच्छा हर व्यक्ति मे होती है लेकिन कुछ लोग ही अपने सपने को पूरा कर पाते है कुछ लोग मात्र सपना देखते है लेकिन उसे पूरा करने की मेहनत नही करते और कुछ लोग गरीबी के कारण अपने सपने पूरे नही कर पाते है लेकिन हर दिन हम विश्वास, मेहनत और धैर्य के साथ अपने सपने को पूरा करनेमे लग जाये तो निश्चित रूप से हम एक सफल व्यक्ति बन सकते है '' कभी किसी की बातो मे आकर हिम्मत नही हारनी चाहिए क्योकि जहाँ हिम्मत समाप्त होती है वही से हार की शुरूआत होती है '' हमारा आत्मविश्वास ही हमारी सबसे बड़ी दौलत है''

प्रत्येक माता-पिता अपने बच्चे को पढ़ा लिखा कर योग्य बनाना चाहते है जिससे उनका बच्चा उनका नाम, उनके प्रदेश का नाम, तथा उनके गॉव का नाम रोशन कर सके लेकिन प्रत्येक बच्चे की भी रूचि होती है कि मै क्या बनूगाँ ? मै इस निष्कर्ष पर पहुंचा हूं मै भी एक I.A.S बनूं। I.A.S बनकर मै लोगो की मदद करूगाँ ।

प्रत्येक व्यक्ति का लक्ष्य (सपना) उच्च होना चाहिए तभी वह अपने देश की प्रगति कर सकता है प्रत्येक बच्चे को बचपन से ही अपना एक लक्ष्य बना लेना चाहिए जिससे वह हर सम्भव उस लक्ष्य तक पहुँचने का प्रयास करे लक्ष्य ऐसा होना चाहिए जिससे अपना भविष्य सुंदर बने और उस लक्ष्य से दूसरो का भला भी हो सके।

मै देख्ता हू कि I.A.S ऑफिसर का एक पद है जिससे वह सम्मान पूर्वक स्वंय तो जीता ही है साथ ही दूसरी की जिंदगी भी महान बना देता है।

I.A.S ऑफिसर का जीवन महान है। वह सदा जीवन उच्च विचार रखता है। I.A.S ऑफिसर का पद अपने आप मे एक ऊँचा पद होता है जो अपने कठिन प्रयासो द्वारा D.M बनता है। जिसे हम जिलाधिकारी कहते है जो एक जिले का सर्वोच्च अधिकारी होता है।

एक बार मेरे विद्यालय मे '' बेसिक शिक्षा आधिकारी माहोदय जी आये थे। वह बोले थे- बेटा शिक्षा ही एक साधन है जिससे आप पूरी दुनिया को बदल सकते हो वह शिक्षा ही एक ऐसा धन है न कोई चुरा सकता है और न कोई छीन सकता है तभी से मेरे मन मे I.A.S अधिकारी बनने का विचार आया जिससे मै भी गरीब निःसाहाय लोगो की मदद कर सकूँ ।

'' हारता वो है, जो शिकायते बार-बार करता है।
जीतता वो है जो कोंशिश हजार बार करता है।''

'' मायूस मन होना जिन्दगी से किसी भी वक्त तेरा नाम बन सकता है।
अगर दिल मे हो आग, और हौसले हो बुलंद तो अखबार बेचने वाला भी
कलाम बन सकता है।''

क्योकि किसी शायर ने गजब की बात कही है-

कि मैदान मे हारा हुआ व्यक्ति तो एक बार फिर जीत सकता है
लेकिन मन का हारा व्यक्ति कभी नहीं जीत सकता है।

विकास कुमार

वैज्ञानिक खोज और उसका प्रभाव

आज से सैकड़ो वर्ष पहले लोगो में अशिक्षा तो थी और उनके द्वारा कम खोजे भी की जाती थी। परन्तु आज के समय में मनुष्यों मे जितनी शिक्षा का स्तर और जागरूकता हो रही है। मानव उतना ही अपने ज्ञान को उजागर करके आज कल के समय मे उतनी ही खोजें कर रहा है। ये खोजें जो कि आने वाली पीढ़ियों एवं सभी प्रकार के प्राणियों एवं वातावरण (पर्यावरण) के लिए भी घातक साबित हो रहा है।

क्योंकि पहले के समय मे लोगो के पास इलेक्ट्रानिकल एवं टेक्निकल वस्तुएँ नहीं थी। तो लोग अपने मेहनत के दम पर प्रत्येक चीजें जी-जान लगाकर करते थे। परन्तु आज के समय में जितना ही हम टेक्निकल एवं इलेक्ट्रॉनिकल चीजों को दोहन कर रहे है।

समस्यायें आये दिन हमारे लिए घातक ही सिद्ध हो रही है। वैसे तो मनुष्य आज के दिन चाहे जितना शुखमय जीवन व्यतीत करने की चेष्टा कर ले। उसका भोगी बनेगा। और ऐसा इसलिए होगा,क्योंकि मनुष्य इतना आलसी हो गया। वह अपने प्रत्येक कार्य को सरलतापूर्ण एवं कम मेहनत करना चाहता है।

क्योंकि आजकल टेक्निकल एवं इलेक्ट्रॉनिक मशीने मनुष्यों काकार्य सरल बना दी है। जिसका उपयोग आजकल मनुष्य बहुत अधिक मात्रा मे कररहा है।

और एक बात तो मनुष्यों के आने वाली पीढ़ियो के लिए ज्यादातर घातक सिद्ध होगी। क्योंकि आज के समय मे प्रत्येक जगह पर डिजिटलाइज्ड का कार्य शुरू हो रहा है। ज्यादातर चीजे तो डिजिटलाइज्ड हो भी गयी है। और जो अभी होगी उसमें अहम भूमिका होगी रोबोट का जो कि कर्मचारियों का स्थान छीन लेगे। और लोगों को बेरोजगार होना पड़ जायगा।

क्योंकि प्रत्येक चीजें ऑटोमेटिक कार्य करेंगे। जो कार्य मनुष्यों द्वारा संचालित होता है। वह कार्य तब मशीनें सेंसर की मद्द से खुद ही करेंगे।

और धीरे-धीरे इन्हीं वैज्ञानिको के द्वारा बच्चे लैब मे पैदा होंगे। ना कि जननी के गर्भ से।जो कि एक बहुत ही सोचनीय चीजे हो जा रही है। ये सभी चीजें मनुष्यों की दशा और दिशा दोनो को ही बदलकर रख देगी ये वैज्ञानिक खोजें।

चुटकुले

अभिनव वर्मा

एकबार एक रामलीला मे रावण और अंगद संवाद होने जा रहा था। तो रावण का रोल करने के लिए मौर्यजी को और अंगद का रोल करने के लिए वर्मा जी को दिया गया। और तभी रामलीला के संचालक जो कि इनका कार्य प्रत्येक किरदार को क्या बोलना है कब बोलना है और किस जगह पर बोलना है ने मौर्य जी से कहा। '' बोल-बोल रावण हे दुष्ट वानर'' तो मौर्य ने समझा कि मुझे भी वही बोलना है तो उन्होने भी बोला बोल-बोल रावण हे दुष्ट वानर। जबकि संचालक रावण (मौर्यजी) को हे दुष्ट वानर बोलने के लिए कहा था।

बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ पर कविता

बेटी एक वरदान है
बेटी ही देश की शान है।

न बोझ समझो तुम इसे,
यही देश की मान है।

हर दुःख मे साथ निभाएगी,
पुत्र का भी कर्तव्य निभाएगी बेटी।

घर मे वो खुशियाँ लाएगी
दुःख को दूर भगाएगी।

न समझो तुम इसे कमजोर
झांसी की रानी है बेटी।

बेटी एक वरदान है।
बेटी ही देश की शान है।

अलका वर्मा

प्रेरणदायी कविता

गिरना भी अच्छा है
औकात का पता चलता है
बढ़ते है जब हाथ उठाने को
अपनो का पता चलता है।

जिन्हें गुस्सा आता है
वो लोग सच्चे होते है।
मैने झूठो को अवसर
मुस्कुराते हुए देखा है।

सीख रही हूँ मै भी
मनुष्य को पढ़ने का हुनर।
सुना है चेहरे पे
किताबो से ज्यादा लिखा होता है।

अलका वर्मा

कविता

विश्वास को ऊँचा कर,
हर कदम मै बढ़ाऊगी,
कैसा भी रास्ता हो,
मंजिल मै पाऊँगी।

लाख मुशकिले आएगी,
मै फिर भी न बढ़ाऊँगी,
हिम्मत बाँधे अपनी मैं,
बस आगे बढ़ती जाऊँगी।

नही रुकूँगी, नही थकूँगी,
ऐसा मै बन जाऊँगी,
अपने साथ ही अपने बड़ोका,
मै नाम बढ़ाऊँगी।

ये धरती क्या एक दिन,
आसमाँ पैरो पे झुकाऊँगी,
सारी कायनात पर मै,
इस कदर छा जाऊँगी।

विश्वास को ऊँचा कर,
हर कदम मै बढ़ाऊँगी,
कैसा भी रास्ता हो,
मंजिल मै पाऊँगी।

अमिता वर्मा

मेहनत ही सच्चा धन है

संकेत बिन्दुः-

किसान का गरीबी से दुखी होना.....महात्मा के पास जाना.....महात्मा का किसान को गठरियाँ देना..... किसान का धनवाली गठरी उठाना...माहात्मा द्वारा गठरियों के बारे मे बताना...किसान का संकल्प लेना....खेत में मेहनत करना.....गरीबी दूर होना..जीवन मे खुशियाँ आना...।

रघुनाथ एक गरीब किसान था। वह हर समय अपनी गरीबी को दूर करने के विषय में सोचा करता था। एक दिन रघुनाथ अपने खेतों मे जा रहा था। रास्ते में उसके गाँववालों ने बताया कि नदी के पास एक महात्मा जी ठहरे हैं। वे बहुत ज्ञानी हैं। अगर वह उनके पास जाकर उनके दर्शन कर ले अपनी समस्या बताए तो उसके दुःख दूर हो सकते हैं।

रघुनाथ मन में आश लिए उनके पास गया। उन्होंने उसके आने का कारण पूछा, तो उसने अपनी गरीबी की हालत बताई। महात्मा जी ने कुछ सोचा और, अपने पास से तीन गठरियाँ निकाली और बोला ''इन तीनों मे से किसी एक को अपने पास रख सकते हे।''

महात्मा जी ने उसे तीनों गठरियों के ऊपर अलग-अलग नाम लिखे थे - पहले वाली पर 'धन' दूसरी पर अवसर और तीसरे पर मेहनत लिखा था। रघुनाथ ने बहुत सोच-विचार कर धन वाली गठरी को अपने पास रख लिया और बाकी दोनों गठरियों को वापस कर दिया।

फिर महात्मा जी से इन गठरियों के बारे में पूछा तो महात्मा जी ने कहा ''देखो तुम गरीब हो यह तुम खुद मानते हो इसलिए तुमने धन के बारे में सोचकर ही धन वाली गंठरी उठाई। हर मानव का स्वभाव यही है, क्योंकि उसे लगता है कि अगर धन हो तो सब कुछ ठीक है लेकिन धन जुटाने के चक्कर में मानव अपने जीवन के अनमोल अवसरों को गवाँ देता है।

यदि तुम सिर्फ अवसर का तलाश मे रहोगे तो फिर कभी भी मेहनत करना नहीं चाहोगे और हमेशा यही सोचते रहोगे कि कब मेरा अच्छा समय आएगा और कब मैं अमीर व्यक्ति बन पाऊँगा और ऐसा सोचते और कब मै अमीर व्यक्ति बन पाऊँगा और ऐसा सोचते हुए भी जीवन के अनमोल पलों को नष्ट कर लेते है। यदि तुम मेहनत पर विश्वास करते हो तो अपने बुरे अवसर को भी अच्छे समय में परिवर्तित कर सकते है और मेहनत के बल पर अधिक से अधिक धन कमा सकते हो। मेहनत से कमाया हुआ धन हमें सुख और सुकून भी देता है। अब तुम बताओं कि कौन-सी गठरी लेना पसंद करोगे? वह तुरंत महात्मा जी के चरणों में गिर पड़ा और बोला, महात्मा जी, मुझे क्षमा करें। मैं अज्ञानी व्यक्ति जो सिर्फ रात-दिन धन पाने के बारे मे ही सोचता रहा, लेकिन आपने मेरी आँखे खोल दीं। अब मुझे समझ में आ गया कि अगर मै मेहनत करूँगा तो जीवन के सभी सुख पा सकता हूँ और अपने हर बुरे समय को अच्छे समय मे बदल सकता हूँ।

इसके बाद व्यक्ति महात्मा जी को प्रणाम करके, आशीर्वाद लेकर अपने घर आ गया और फिर उसने अपने खेतों में खूब मेहनत की। इस बार खूब अच्छी फसल हुई और उसकी गरीबी दूर हो गई। फिर वह हमेशा मेहनत करने मे विश्वास करने लगा।

शिक्षा :- मेहनत के बल पर बुरी से बुरी परिस्थितियों को अच्छे और सुख देने वाले समय मे बदला जा सकता है।

अंशुमान सिंह पटेल

भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संस्थान (इसरो)

रूपरेखा :- भूमिका, भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन का महत्व, सगंठन के कार्य, संगठन की उपलब्धियाँ, उपसंहार।

आधुनिक काल मे अंतरिक्ष अनुसंधान प्रत्येक देश के लिए अनिवार्य बन गया है। यदि कोई देश विज्ञान एवं तकनीक के क्षेत्र में प्रगति करना चाहता है, तो उसे अंतरिक्ष अनुसंधान से जुड़ना ही होगा। इसी श्रृंखला में भारत ने भी भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन की स्थापना की। संक्षेप में इसे इसरो (ISRO) कहा जाता है।

इसका मुख्यालय कर्नाटक बेंगलुरु मे है। इस संस्थान का कार्य भारत के लिए अंतरिक्ष संबधी तकनीक उपलब्ध करवाना है। अंतरिक्ष कार्यक्रम के मुख्य उद्देश्यों में उपग्रहों प्रक्षेपण यानों और भू-प्रणालियों का विकास शामिल है।

1969 में स्थापित, इसरो के लिए तत्कालीन भारतीय राष्ट्रीय समिति (INCOSPAR) की स्थापना स्वतंत्र भारत के प्रथम प्रधानमंत्री जवाहर लाल नेहरू और उनके करीबी सहयोगी और वैज्ञानिक विक्रम साराभाई के प्रयासो से 1969 मे की गई।भारत का पहला उपग्रह आर्यभट्ट था जो 19 अप्रैल 1975 को सोवियत संघ द्वारा छोड़ा गया था।

यह नाम महान गणितज्ञ आर्यभट्ट के नाम पर रखा गया था। 1980 में रोहिणी उपग्रह पहला भारतीय-निर्मित प्रक्षेप यान एसएलवी-3 बन गया, जिससे कक्षा में इसरो ने बाद में दो अन्य रॉकेट विकसित किए-ध्रुवीय उपग्रह प्रक्षेपण यान (पीसएलवी) और भूस्थिर उपग्रह प्रक्षेपण यान (जीएसएलवी) 21 जनवरी 2017 में इसरों ने सफलतापूर्वक जीसैट-14 के एक जीएसएलवी-डी5 मिशन में रिकॉर्ड 104 उपग्रहो का सफलतापूर्वक प्रक्षेपण किया। इन 104 उपग्रघों मे भारत के तीन और विदेशों के 101 सैटेलाइट शामिल थे भारत एक रॉकेट से 104 उपग्रहों को अंतरिक्ष मे भेजकर इस तरह का इतिहास रचने वाला पहला देश बन गया है। हमें इसरों की क्षमताओं व योग्यताओं पर पूर्ण विश्वास है। वह समय दूर नही जब इसरो इसी प्रकार नय इतिहास रचकर भारत को अंतरिक्ष अनुसंधान की दुनिया में प्रथम स्थान पर पहुचा देगा।

अंशुमान सिंह पटेल

कविता

" जिन्दगी का एक लम्हा था, हमारा भी एक सपना था।"

जिन्दगी का एक लम्हा था हमारा भी एक सपना था।
गलती की थी मैने एक जमाने से
न जाने क्यों सब लुट गया खजाने से।
कास ओ समय आया न होता
तुमने मुझे आजमाया न होता

जिन्दगी का एक लम्हा.....
जमाने को मैने भी वही समझ पाया था...
उस जमाने की बेरुखी-रूसवाई को भी देखा था
न जाने क्यो.....कहते है लोग दुनिया रंगी होती है
माँ - बाप के चले जाने पर दुनिया रंगहीन होती है

जिन्दगी का एक लम्हा था....
वो ख्वाब जो सजाये थे हमने अपनो के लिए
वही ख्वाब टूटा उसी समय उस पराये के लिए।
तभी से ये दुनिया अंधकार सी लगने लगी
माँ-बाप की याद पल-पल आने लगी।

जिन्दगी का एक लम्हा.....
हमने हँसने और हँसाने की वजह ढूँढी थी।
जिधर न हो कोई गम वह जगह ढूँढी थी
मगर इस कदर टूटी है मेरी हसती...
अब अंधेरों में भी एक सुबह ढँढते है।

जिन्दगी का एक लम्हा था....
कास कोई तो वजह मिल गया होता मुसकुराने का..
कभी तो याद आता उनके दूर जाने का।
अक न कोई मंजिल है न कोई ठिकाना है...
बस एक मौत ही जिसे गले लगाना है।

जिन्दगी का एक लम्हा था....
प्यार बाँटने की आदत थी मेरी....
प्यार पाने की कोई उम्मीद रखता रही था।
कितना भी गहरा जख्म दे दे कोई...
वजह मुस्कुराने की ढूँढता नहीं था।

कृष्ण कूमार

अंतरिक्ष - संक्षिप्त परिचय

प्रस्तावना

" किसने नही देखा है शाम में शरमातें सूरज को।
किसने नही देखा है रात में टिमटिमातें तारों कों।।
अनजान जरूर है, पर पहचान पुरानी है।
सिर्फ हमने ही नही, हमारें पुरखों नें भी इनकें साथ कइयों रातें गुजारी है।।
एक एहसास कें तलें चाँद कों चंदा मामा कहा करते हैं।
वजह वह संस्कार है हम तो सारी धरा को अपना यूँ ही नही समझतें हैं।। "

विराट जगत, इसमें मौजूद असंख्य सजीव और निर्जीव, हरे भरे पेड़ पौधे, चट्टानों में जीवन की कल्पना, रात दिन टिमटिमाते तारे, अनेंको गैलेक्सियां और उन पर सम्भावित जीवन की तलाश, यहाँ पँहुचनें की तृष्णा, यह सब है न हृदय को रोमाचिंत कर देने वाला। क्या कभी आपनें सोचा है कि जिस चाँद का दीदार मात्र हदृय में उमंगी अनुभूति प्रकीर्णित कर देता है अनेंकों काव्यों में आदि काल सें ही सुंदरियों के स्वरूप की उपमा का अनवरत माध्यम सा रहा है आज न सिर्फ मानव वहाँ पहुँच गया है अपितु वहाँ जीवन के अनेकों अवसरों की तलाश में गुमसुदा है। 400 किमी. दूर, स्पेसस्टेशन में रहना आज आम बात सी गई है। और कइयों प्रकाशवर्ष दूर स्थिति ग्रहों जैसे शुक्र, मंगल, बृहस्पति तथा तारों जैसे सूर्य तक भी इंसान की पहुँच सिर्फ कल्पना नही रह गई है।

कल्पना करिये अगर हम दूसरें ग्रहों पर रहना शुरू कर दें और प्रथ्वी से आवागमन ठीक उसी प्रकार हों जाय जैसे जैसें आज हम आटों लेकर कही भी चलें जातें हैं। Voice Transfer आज आम बात हो गई है यदि Mass Transfer भी इतना ही सहज हो जायें और भविष्य शायद ऐसा ही होगा।

इसीलिए तों उक्त पक्तियाँ लेखक के मुख से प्रस्फुटित होती है।

कल का असम्भव आज सत्य हो रहा है।
कल कैसा हों इंसान इस सोच में व्यस्त हो रहा है।
उम्मीद है बड़ी, हि आगामी कल तुझसे।
कैसा ख्याल सजाया, यें इंसा अपने मतलब सें।।

अंतरिक्ष महत्वपूर्ण तिथियाँ :-

Oct 4 , 1957 - Sputnik 1, पृथ्वी का प्रथम कृत्रिम उपग्रह बना

Nov 3, 1957 - Luika, अंतरिक्ष में छोड़ा गया प्रथम सजीव

Sept 14, 1959 - Luna 2, प्रथम कृत्रिम वस्तु जों किसी भुगोलकीय पिण्ड पर भेजी गई।

Aprail 12, 1961 – यूरीगागरिन, पृथ्वी की परिक्रमा करनें वाला प्रथम व्यक्ति

June 16, 1963 – वेलेनटीना तरेस्कोवा, अंतरिक्ष में जानने वाली प्रथम महिला

July 20, 1964 – नील आर्मस्ट्रांग, चन्द्रमा पर पाँव रखनें वाला प्रथम व्यक्ति

Aprail 19, 1971 – Salyut 1, प्रथम अंतरिक्ष स्टेशन

Aprail 25, 1990 – हावाल टेलीस्कोप, प्रथम आंतरिक्ष टेलीस्कोप लांच किया गया।

Aug 6, 2014 – Roselta, धूमकेतु की परिक्रमा करनें वाला प्रथम अंतरिक्ष माना।

Dec 21 2015 – Falcon 9, प्रक्षेपण स्थल पर लौटने वाला प्रथम रॉकेट चरण।

अंतरिक्ष खोज और चुनौतियाँ :-

इंसान नें आदि काल से अंतरिक्ष कें रहस्यों कों सुलझानें का प्रयास किया है इसी वजह से विभिन्न प्रकार कें बलों की खोज हुई। आरम्भिक चरण में विभिन्न ग्रहों , उपग्रहों और उनकें धुर्णन्न कें अनुसार इंसान कें खत्म सें मृत्यु तक होनें वाले असर का वर्णन सहज में ही मिलता है। जिसका प्रक्रण हजारों वर्षो पूर्व वेदों में और बनें मंदिरों पर सहज ही मिलता है।

आधुनिक काल में अंतरिक्ष की खोज 1950 से शुरु हुई और शुरुआत 15 वर्षो की अंतरिक्ष की खोज का स्वर्ण काल कहा जा सकता है क्योकि हम सीमित ज्ञान में ही चाँद पर पहुच गयें और स्पेस स्टेशन तक बना लिया आज अंतरिक्ष तकनीकि हमारें रग–2 में बस गया है जिसमें आवगमन, संचार, Mapping, चलचित्र दर्शन प्रमुख है

अंतरिक्ष विज्ञान की ही देन है कि आज हम लगभग सारी सेवाओं कों डिजीटलाइज करकें लोगों कें जीवन को सहज बना पा रहे है।

अंतरिक्ष अनुसंसाधन के सबसें बड़ी चुनौती अत्यधिक पूँजी का लगना है। आज यह माना जा रहा है कि तीसरा विश्वयुद्ध अंतरिक्ष में लड़ा जायेगा और हरेक राष्ट्र को इसकें लिए अपनें कों तत्पर और तैयार करना होगा।

अंतरिक्ष खोज का आधुनिक माध्यम :-

अंतरिक्ष खोज कें प्रमुख माध्यम दूरबीन है जिसकों पृथवी पर रखकर या पृथ्वी से एक निश्चित ऊचाँई में प्रमोचन यान से भेजे गयें कृत्रिम उपग्रह में संबद्ध करके भौगोलीय पिण्डों की स्थिति तथा से सम्बद्ध जानकारी कों प्राप्त करनें में किया जाता है।आज विभिन्न ग्रहों पर Lander Orbitor या Rovar भी भेजे जाते है। जो विभिन्न प्रकार की Study के लिए विशेष रूप सें बनायें गये होतें है।

अंतरिक्ष खोज में भारत की निवर्तमान स्थिति :-

वर्ष 2020 तक भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन यानी इसरों अंतरिक्ष विषलेषण का एक मात्र नोडल संस्था भी परन्तु **Space Reform** के बाद आज लगभग 150 से ज्यादा कम्पनिया कार्य करना शुरू कर दी है। जिसमें **Skyroot, Agnikul** प्रमुख है।

भारत को अंतरिक्ष अंवेषण की मॉडल इकाई, **ISRO** ने न्यूनतम बजट मे अभूतपूर्व कीर्तिमान स्थापित किया है जिसमे अब तक भूस्थायी कक्षा, ध्रुवीय कक्षा में विभिन्न कृत्रिम उपग्रहों को प्रतिस्थापित करनें अथवा चन्द्रयान मिशन और मंगलयान मिशन कों सफलतापूर्वक अंजाम दिया है। राकेट पूर्वप्रयोग परीक्षण इसकी सफलता को शोभित करता है। इसरों के आगामी मिशन सूरज के अध्ययन हेतु अदित्यान मिशन, चन्द्रयान, शुक्र मिशन तथा गगनयान मिशन शामिल है।

अंतरिक्ष का उपयोग :- अंतरिक्ष कें अनेकों प्रयोग सम्भावित है तथा बहुतायत हों रहें है जैसे-

1. संचार हेतु - भूस्थायी कक्षा में 36000 **KM** पर रखें कृत्रिम उपग्रह है।
2. फोटोग्राफी तथा मौसम अभियान हेतु-ध्रुवीय कक्षा में घूमतें **Cartosat** और **Oceanosat** है।
3. **Realtime Navigation** हेतु स्वाविकसित नाविक या मार्गदर्शक
4. **Defence bases** के रूप में अंतरिक्ष स्टेशन प्रावाधित कियें जा सकते है
5. **Reuseable Launch Vehicle** या प्रमोचन यान होने से अंतरिक्ष परिक्रमण विकसित किया जा सकता है।

मानव को अभिलाषा और अंतरिक्ष सम्बंध :-

खोज को कोई अन्त नही, यह हर दिन जारी है।
कल उसकी बारी थी, आज इसकी बारी है।।
बदलता रहा जों परिस्थितियो के संग्राम कें साथ।
उसकी नश्वरता होतें हुए भी अमृत पानें की आरजूं है।

मानव को अभिलाषाए अपरमित है और इन इच्छाओं को बढ़ाने का दायरा अपरमित करता यह ब्रहमाण्ड है। जों यह बताकर इंसान को बेचैन कर रहा है कि तुम संसार कें बारें में अभी कुछ भी नही जानतें है इसीलिए मैं तुम्हें उदेश्य देता हूँ और तुम्हारें साहस की परीक्षा लेता हूँ।

‘‘ अनन्त ब्रहमाण्ड, असीमित सम्भावनाए’’

निष्कर्ष :- संसार एक रहस्य का पिटारा है अंतरिक्ष उसका सह गामी । कल भी इसी को खोज रहे थें और आज भी, आशा है कल भी जारी रहेगा हमारा यह संघर्ष। इसकी खोज मे नूतनता है जोवैज्ञानिकों के नूतन कुतूहल के साथ कल कें कल विकसित करो की उम्मीद और प्रेरणा प्रदान करता रहता है।

‘‘अंतरिक्ष का महत्व अपरमित है, शब्दो सें परे हैं ’’

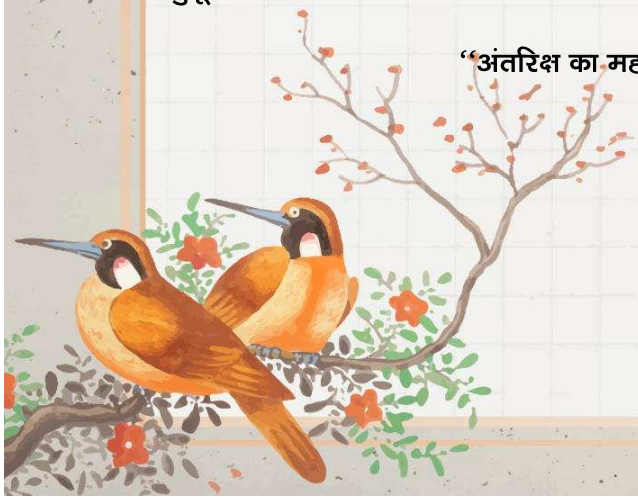

रामू कुमार वर्मा

Events Diary

Selfie With Rangoli-

TSE Edition 7

https://thechange.org.in

Selfie With Rangoli-

TSE Edition 7

Articles For PRERNA Magazine- TSE Edition 8

PRERNA Edition-2

Know Your Social Heros

KYSH Edition-9

Selfie With Rangoli

TSE Edition 10

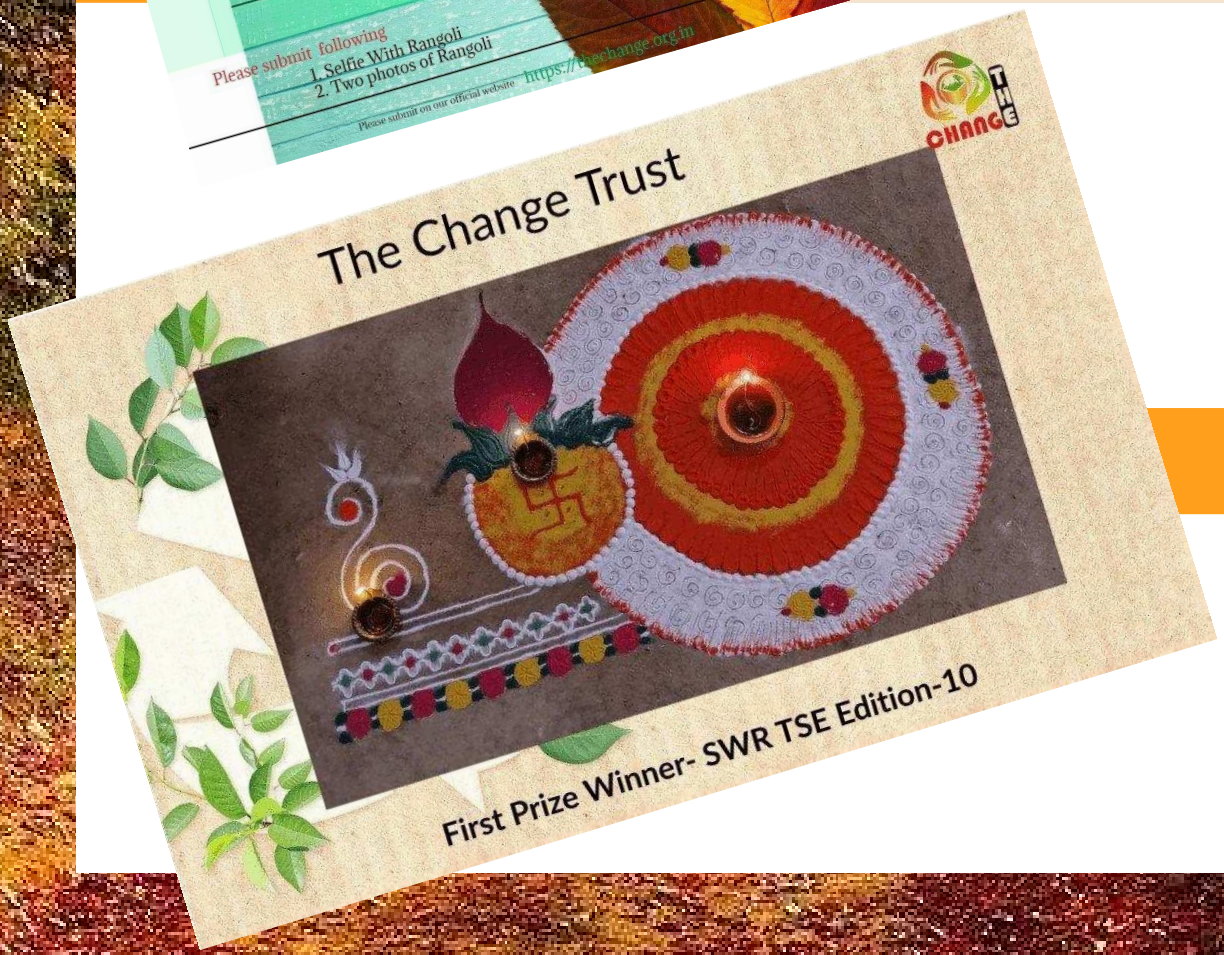

Selfie With Rangoli

TSE Edition 10

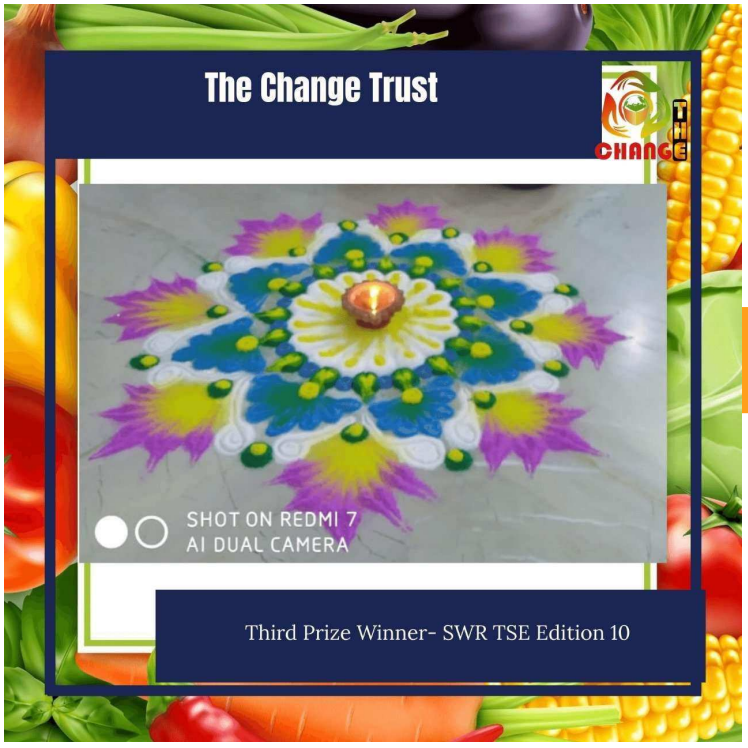

Selfie With Rangoli

TSE Edition 10

The Change Trust

https://thechange.org.in

2024

JANUARY

Su	Mo	Tu	We	Th	Fr	Sa
	1	2	3	4	5	6
7	8	9	10	11	12	13
14	15	16	17	18	19	20
21	22	23	24	25	26	27
28	29	30	31			

FEBRUARY

Su	Mo	Tu	We	Th	Fr	Sa
				1	2	3
4	5	6	7	8	9	10
11	12	13	14	15	16	17
18	19	20	21	22	23	24
25	26	27	28	29		

MARCH

Su	Mo	Tu	We	Th	Fr	Sa
					1	2
3	4	5	6	7	8	9
10	11	12	13	14	15	16
17	18	19	20	21	22	23
24	25	26	27	28	29	30
31						

APRIL

Su	Mo	Tu	We	Th	Fr	Sa
	1	2	3	4	5	6
7	8	9	10	11	12	13
14	15	16	17	18	19	20
21	22	23	24	25	26	27
28	29	30				

MAY

Su	Mo	Tu	We	Th	Fr	Sa
			1	2	3	4
5	6	7	8	9	10	11
12	13	14	15	16	17	18
19	20	21	22	23	24	25
26	27	28	29	30	31	

JUNE

Su	Mo	Tu	We	Th	Fr	Sa
						1
2	3	4	5	6	7	8
9	10	11	12	13	14	15
16	17	18	19	20	21	22
23	24	25	26	27	28	29
30						

JULY

Su	Mo	Tu	We	Th	Fr	Sa
	1	2	3	4	5	6
7	8	9	10	11	12	13
14	15	16	17	18	19	20
21	22	23	24	25	26	27
28	29	30	31			

AUGUST

Su	Mo	Tu	We	Th	Fr	Sa
				1	2	3
4	5	6	7	8	9	10
11	12	13	14	15	16	17
18	19	20	21	22	23	24
25	26	27	28	29	30	31

SEPTEMBER

Su	Mo	Tu	We	Th	Fr	Sa
1	2	3	4	5	6	7
8	9	10	11	12	13	14
15	16	17	18	19	20	21
22	23	24	25	26	27	28
29	30					

OCTOBER

Su	Mo	Tu	We	Th	Fr	Sa
		1	2	3	4	5
6	7	8	9	10	11	12
13	14	15	16	17	18	19
20	21	22	23	24	25	26
27	28	29	30	31		

NOVEMBER

Su	Mo	Tu	We	Th	Fr	Sa
					1	2
3	4	5	6	7	8	9
10	11	12	13	14	15	16
17	18	19	20	21	22	23
24	25	26	27	28	29	30

DECEMBER

Su	Mo	Tu	We	Th	Fr	Sa
1	2	3	4	5	6	7
8	9	10	11	12	13	14
15	16	17	18	19	20	21
22	23	24	25	26	27	28
29	30	31				

Jan 26	: Republic Day
Mar 08	: Maha Shiv Ratri
Mar 25	: Holi
Mar 29	: Good Friday
April 10	: Ramzan
April 21	: Mahaveer Jayanti
May 23	: Buddha Purnima
Jun 17	: Bakrid
Jul 16	: Muharram
Aug 15	: Independence Day
Aug 26	: Janmashtami
Sept 16	: Milad un Nabi
Oct 02	: Gandhi Jayanthi
Oct 11	: Durga Asthmi
Oct 13	: Vijay Dashami
Oct 31	: Deepawali
Nov 15	: Guru Nanak Gayanti
Dec 26	: Christmas Day

Calender

2024

Edition-2

Thank You

Scan & Write To Us